निःशुल्क प्रकाशनार्थ (दिनांक 05.09.2017)

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 05 सितम्बर 2017 को डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं एम0टी0ए0 विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 मनोज दीक्षित, कुलपति, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने की। माननीय कुलपति जी स्वागत करते हुए प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने विभागाध्यक्ष के रूप में अपने नौ महीने के कार्यकाल में किए गए कार्यों की विकास यात्रा प्रस्तुत की। उन्होने कुलपति जी का स्वागत करते हुए कहा कि माननीय कुलपति जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय तीव्र गति से उन्नति कर रहा है। उन्होने कुलपति जी को आश्वस्त किया कि एम0टी0ए0 एवं इतिहास विभाग को भविष्य में जो भी जिम्मेदारी सौपीं जायेगी, उसका निर्वहन हम सभी मिलकर पूरी तन्मयता से करेंगे। प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम की प्रेरणा से जिस तरह हनुमान जी को बल मिलता है ठीक उसी तरह आदरणीय कुलपति जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हमें भी बल मिलता है। साथ में उन्होने भविष्य में प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए शोध पत्रिकाओं ऋषभदेषना और रामानुसंधान के नियमित प्रकाशन का प्रस्ताव रखा। छात्रों को आर्शीवचन देते हुए उन्होने कहा कि व्यक्ति कर्म से ही आगे बढता है। माता पिता की आज्ञा मानिए अनुशासन में रहिए और कर्म कीजिए। अन्त में प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने विभागीय शिक्षक डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी को लगभग आठ वर्ष बाद वापसी पर कुलपति जी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

संकायाध्यक्ष कला संकाय प्रो0 आलोक मणि त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए छात्रों को अपने आर्शीवचन से अभिसिचित करते हुए उन्होनें सर्वपल्ली राधकृण्णन के व्यक्तित्व एवं जीवन के बारे में बताया। अतः में छात्रों को आर्शीवचन देते हुए कहा कि अस्तोः मः सदगमय तमसो मः ज्योर्तिगमय। मुख्य अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष एवं डॉ0 महेन्द्र पाल द्वारा अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी ने पर्यटन एंव इतिहास विभाग के छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अभ पर्यटन एवं इतिहास विभाग के छात्रों को विश्वविद्यालय के होने वाले समस्त कार्यक्रमों में बढचढ के हिस्सा लेना होगा। अयोध्या में पर्यटन की अपार सम्भावनॉए होते हुए भी अभी पीछे चल रहा है। उन्होने छात्रों आवहन किया कि अयोध्या की मन्दिरों, धाटों एवं कुण्डों की एक वृतचित्र तैयार करें, जिसका नितान्त अभाव है। बाहर से आने वाले पर्यटकों को काफी असुविधा होती है। पर्यटन के छात्रों को अपने को तैयार करना होगा कि वो रोजगार के लिए परेशान न होकर, रोजगार देने के लिए अपने आपको तैयार करें। अपनी पढाई की प्रवित्ति में परिवर्तन लाना होगा और अपनी रूचि के अनुसार किसी भी विषय में विशेषज्ञता हासिल करनी होगी, उन्होने अपने बल पर अपने को स्थापित करने वाले लोगों के कई उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होनें यह भी बताया कि अयोध्या में अभी भी जातिगत 62 पंचायती मंदिर है, जो अपने आप में अनूठा है, इस पर शोध की आवश्यकता है। कुलपति जी ने इस बात का विश्वास जताया कि श्रीराम शोध पीठ, ऋषभदेव जैन शोध पीठ तथा कोशल संग्रहालय को भविष्य में पर्यटन की दृष्टिकोण से विकसित किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन करतें हुए डॉ0 राजेश सिंह ने कहा कि अच्छा शिक्षक बनना बहुत ही कठिन कार्य है। कार्यक्रम के अंत में डॉ0 महेन्द्र पाल सिह द्वारा मुख्य अतिथि, विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष तथा उपस्थित शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्र/छात्राओं को आभार ज्ञापित किया। उन्होनें कुलपति जी से एम0टी0ए0 विभाग को और विकसित करने का अनुरोध किया। इस कार्यक्रम में विभागीय शिक्षक प्रो0 एम0 पी0 सिंह, डॉ0 देव नारायण वर्मा, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 आलोक मिश्रा, कैलाश पाण्डेय, हरीराम एवं कर्मचारी संध के महामंत्री रामकुमार उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में इतिहास एवं एम0टी0ए0 विभाग के छात्र–छात्रा क्रमशः ज्योति, शालिनी, अनुराधा, दिव्या, माया मौर्या, आकांक्षा, एकता, अशुंमान,. ऋषिकेष, आशुतोष, कार्तिकेय आदि ने प्रतिभाग किया।

मीडिया प्रभारी